आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 25.03.2026 समय : 0705

<><><><><><><><>

- सांसद बिष्णु पद रे ने शिक्षा सचिव डॉ. विनीत जोशी से मुलाकात कर द्वीपसमूह में केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने का अनुरोध किया है।
- विश्व क्षय रोग दिवस पर कल राज्य स्तरीय टीबी मुक्त भारत अभियान–द्वीपसमूह में 100 दिनों के मुहिम का शुभारंभ किया गया।
- प्रशासन ने पैदल यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और सार्वजनिक शिकायतों के समयबद्ध निवारण के लिए एक प्रणाली स्थापित की है।
- पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने द्वीप समूह के सभी मवेशियों की 100 प्रतिशत इयर टैगिंग करना अनिवार्य किया है।

<><><><><><><><>

सांसद बिष्णु पद रे ने कल नई दिल्ली में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के सचिव डॉ. विनीत जोशी से मुलाकात की। इस बैठक का उद्देश्य द्वीप समूह में 'डीम्ड विश्वविद्यालय' के बजाय एक केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के महत्वपूर्ण मामले पर अनुवर्ती कार्रवाई करना था। सांसद ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के मुद्दे पर एक पत्र के साथ संसद में दिए गए अपने भाषण की प्रति भी सचिव को दी। इसके अलावा सांसद ने द्वीप समूह के सभी डिग्री कॉलेजों में प्रोफेसरों और एसोसिएट प्रोफेसरों के रिक्त पदों को नियमित आधार पर तुरंत भरने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सचिव से मौजूदा कॉलेजों में शिक्षा के निर्धारित मानकों के अनुसार आवश्यक बुनियादी ढांचे और अन्य अनिवार्य सुविधाओं के निर्माण की मांग की। शिक्षा सचिव ने बताया कि मामलों की जांच की जा रही है और ये सरकार के समक्ष विचाराधीन हैं।

<><><><><><><><>

द्वीपों के सांसद बिष्णु पद रे ने कल नई दिल्ली में केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री, सर्बानंद सोनोवाल से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने जहाजरानी सेवा निदेशालय के तहत कार्यरत नाविकों के वेतन संशोधन के लंबे समय से लंबित मामले पर चर्चा की। सांसद ने कहा कि नाविकों के वेतन में हर दो साल में एक बार संशोधन किया जाना अनिवार्य है और इसलिए प्रस्ताव को आवश्यक स्वीकृति के लिए मंत्रालय को भेजा गया है। सांसद ने इस पर शीघ्र कार्रवाई का अनुरोध किया, ताकि नाविकों को उनका संशोधित वेतन और बकाया राशि समय पर मिल सके। केन्द्रीय मंत्री ने सांसद को इस मुद्दे की जांच कर इसे जल्द से जल्द निपटाने का आश्वासन दिया।

<><><><><><><><>

विश्व क्षय रोग दिवस पर कल टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय में टीबी मुक्त भारत अभियान–द्वीपसमूह में 100 दिनों के मुहिम का राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रशासन के आयुक्त–व–सचिव डॉ सचिन शिंदे मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि द्वीपसमूह में टीबी के 100 दिनों के अभियान को मिशन मोड पर काम करना होगा, ताकि यह अभियान सफल बन सके।

कार्यक्रम में स्वास्थ्य सचिव वंदना राव, स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. एच एम सिद्धाराजू, राष्ट्रीय क्षय रोग कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. पी लाल, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक और विभिन्न शिक्षण संस्थानों के छात्र उपस्थित थे। इस अवसर पर टीबी पर आधारित वार्षिक रिपोर्ट जारी की गई और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

<><><><><><><><>

विश्व क्षय रोग दिवस और राष्ट्रीय स्तर पर 'टीबी मुक्त भारत अभियान – 100 दिवसीय अभियान' के शुभारंभ के अवसर पर, दक्षिण अंडमान जिला उपायुक्त पूर्वा गर्ग ने जिले की 14 ग्राम पंचायतों को 'टीबी मुक्त पंचायत' घोषित किया और उनके प्रधानों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। लगातार टीबी मुक्त स्थिति बनाए रखने के लिए ग्राम पंचायत कोलीनपुर को रजत प्रमाण पत्र और शेष 13 पंचायतों को कांस्य प्रमाण पत्र मिला। यह मान्यता प्रति 1,000 जनसंख्या पर संभावित टीबी जांच दर, उपचार सफलता दर, निक्षय पोषण योजना के कार्यान्वयन और रोगियों को पोषण सहायता जैसे मानकों के आधार पर दी गई।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रशासन ने सड़कों की स्थिति और बाजारों, स्कूलों तथा बस स्टैंडों जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं पर संज्ञान लेते हुए पैदल यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने और सार्वजनिक शिकायतों के समयबद्ध निवारण के लिए एक प्रणाली स्थापित की है। इसके तहत कोई भी नागरिक टूटे हुए फुटपाथ, अतिक्रमण, मिट चुकी जेब्रा क्रॉसिंग, सड़कों पर खराब रोशनी या असुरक्षित स्थितियों के संबंध में टोल–फ्री नंबर 112 पर डायल कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। प्राप्त शिकायतों को संबंधित सड़क स्वामित्व एजेंसी को भेजा जाएगा, जो एक निर्धारित समय सीमा के भीतर निरीक्षण और सुधारात्मक कार्रवाई करेगी। प्रशासन ने फुटपाथों पर वाहन पार्क न करने, जेब्रा क्रॉसिंग को अवरुद्ध न करने, सड़क पार करने के लिए केवल निर्धारित क्रॉसिंग का उपयोग करने की अपील की है।

<><><><><><><>

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने द्वीप समूह के सभी गायों और भैंसों की 100 प्रतिशत इयर टैगिंग करना अनिवार्य करने का निर्णय लेते हुए इसकी समय सीमा 31 मार्च निर्धारित की है। यह पहल राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन का एक हिस्सा है, जिसे 'भारत पशुधन ऐप या पोर्टल' के माध्यम से लागू किया जा रहा है। इयर टैगिंग से प्रत्येक पशु को एक विशिष्ट पहचान मिलेगी, जिससे उनके स्वास्थ्य की निगरानी, बेहतर प्रजनन, टीकाकरण और उपचार का सटीक रिकॉर्ड रखा जा सकेगा। इसके तहत पहली अप्रैल से बिना वैध इयर टैग वाले किसी भी मवेशी को कोई भी सरकारी पशु चिकित्सा सेवा प्रदान नहीं की जाएगी। मवेशियों के स्वास्थ्य और परिवहन प्रमाण पत्र जारी करने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी गई है। अब ये प्रमाण पत्र केवल पोर्टल पर दर्ज सत्यापित इयर–टैग्ड पहचान के आधार पर ही जारी किए जाएंगे। पशु मालिकों को पोर्टल पर अपने पशुओं की बिक्री, मृत्यु या स्थानांतरण का विवरण अपडेट करना अनिवार्य होगा। सभी पशुपालकों से अपने नजदीकी पशु चिकित्सा संस्थान, औषधालय या नामित टैगिंग केंद्र पर जाकर जल्द से जल्द अपने पशुओं को टैग करवाने का अनुरोध किया गया है। दूरदराज के क्षेत्रों के लिए विभाग द्वारा विशेष कैंप और मोबाइल टैगिंग यूनिट का आयोजन किया जाएगा।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद ने जंगलीघाट में रविवार को स्ट्रीट वेंडरों के लिए एक ओपन मार्केट स्पेस विकसित किया है। सभी स्थानीय विक्रेताओं को नियमों का पालन करते हुए इस नए निर्धारित स्थान का उपयोग करने को कहा गया है। वेंडिंग स्पेस की मार्किंग और नंबर डालने का कार्य कल तक पूरा कर लिया जाएगा। 29 मार्च को बाजार लगाने के लिए टोकन का वितरण 27 मार्च सुबह 9 बजे से शुरू होगा। स्थान आवंटन प्रक्रिया में स्थानीय किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी निवासियों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों से अपने सभी बकाया नगर निगम देय राशि को तुरंत चुकाने का आग्रह किया गया है। वर्तमान में विभिन्न वार्डों में राजस्व संग्रह शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। वार्ड संख्या 22, 23 और 24 के लिए शिविर 28 मार्च को आयोजित किए जाएंगे।

<><><><><><><>

श्री साइ बाबा भक्त मंडली की ओर से कल राम नवमी के अवसर पर श्री साइ मंदिर, बरगद लाइन में विशेष पूजा का आयोजन किया जाएगा। पूजा–अर्चना के कार्यक्रम सुबह साढ़े नौ बजे से आरंभ होंगे। इसके बाद अन्नदानम की भी व्यवस्था की गई है।

<><><><><><><>